S-1093

Total Pages : 3 Roll No. .....

MASL-201

काव्यशास्त्र

MA Sanskrit (MASL)

2nd Year Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. आचार्य भरत के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का विस्तृत वर्णन कीजिए।

2. विस्तृत व्याख्या कीजिए :

'तरदोशौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृती पुनः क्वापि'

3. काव्यहेतु की विस्तृत समीक्षा कीजिए।

4. काव्यशास्त्रीय परम्परा में आचार्य मम्मट के अवदान का उल्लेख कीजिए।

5. अलंकारों का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उनके विकास का उल्लेख कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. रसोत्पत्तिवाद की विवेचना कीजिए।

2. विभाव तथा अनुभावों को सोदाहरण प्रतिपादित कीजिए।

3. उपमा तथा रूपक अलंकारों में उदाहरण देते हुए भेद प्रस्तुत कीजिए।

4. अभिधा की परिभाषा एवं उदाहरण लिखिए।

5. समासोक्ति का सोदाहरण लक्षण लिखिए।

6. भामह का जीवनवृत्त लिखिए।

7. आनन्दवर्धन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का प्रतिपादन कीजिए।

8. महाकाव्यों में रस का क्या महत्त्व है? संक्षेप में लिखिए।